‘हमसे सवाल पूछें’ सेक्शन के अंतर्गत हमारे पास आप जैसे कई साथियों के सवाल आ रहे हैं! इसी क्रम में हमारे एक साथी ने हमसे आंगनवाड़ी केंद्र और उसमें दी जानी वाली सेवाओं के बारे में सवाल पूछें हैं जिनका विवरण इस प्रकार से है:

बिहार में आंगनवाड़ी के माध्यम से पोषक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लाभुकों को क्या -क्या सुविधाएँ दी जाती हैं ?

पूरक पोषण कार्यक्रम के तहत 6 माह से 72 माह के सामान्य / कुपोषित बच्चें एवं अति कुपोषित बच्चों के साथ साथ गर्भवती एवं धात्री माताओं को पूरक पोषण आहार प्रदान किए जाने का प्रावधान है |

इसके तहत 6 सेवाएँ दी जाती हैं:

1 पूरक पोषण सेवाएँ
2 विधालय पूर्व शिक्षा
3. प्रतिरक्षा (टीकाकरण)
4.पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा
5. स्वास्थ्य जाँच
6. रेफरल सेवाएँ |

1. बच्चों को क्या - क्या सुविधाएँ दी जाती हैं?	1. विधालय जाने वाले बच्चों को सुबह का नाश्ता, गर्म भोजन और पोशाक प्रति बच्चा 400/ रुपया दिया जाता है| इसके अलावा 200 ग्राम दूध प्रति बच्चा और 1 अंडा भी दिया जाता है|	http://www.icdsbih.gov.in/PoshakYojana.aspx
2 .भोजन का मेनू?	इस लिंक में आप को दिख जायेगा की क्या -क्या दिया जाता है| 200 ग्राम दूध प्रति बच्चा और 1 अंडा भी दिया जाता है|	http://www.icdsbih.gov.in/SixServicesOfIcds.aspx इस लिंक पर सभी गर्भवती , धात्री माताओं को क्या क्या मिलता है उसकी जानकारी मिल जाएगी |
3. गर्भवती महिलाओं को क्या -क्या सुविधाएं दी जाती हैं?	1. इन्हें 25 दिनों का सुखा राशन दिया जाता | गर्भवती महिलायों को सामान्य , कुपोषित और अति कुपोषित तीन श्रेणी में बांटा गया है| सुखा राशन के साथ साथ अब सामान्य स्थिति कि गर्भवती महिला को 7 अंडे , कुपोषित स्थिति कि गर्भवती महिला को 8 और अतिकुपोषित स्थिति कि गर्भवती महिला को 12 अंडा दिया जाता है| जो लाभार्थी अंडा नहीं खाते हैं उन्हें सोयाबरी मिलता है| 2. टीकाकरण दिवस के दिन चैकअप के साथ इन्हें विटामिन और आयरन की दवा दी जाती है|	

	3 . गोदभराई - इस कार्यक्रम के तहत केंद्र पर प्रत्येक महीने गाँव में जितने भी गर्भवती महिलाएं होती हैं, उनकी गोदभराई की जाती है | जिसमें उन्हें पुरे 9 महीनें अपनी देखभाल करनी है, उसकी जानकारी दी जाती है | किस तरह का भोजन करना चाहिए उसमें पोषण संबधित माँ और बच्चें की देखभाल के बारे में बताया जाता है | इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्र को प्रति लाभार्थी 250 रूपये राशि मिलती है|	
4 . माता महिला को क्या -क्या सुविधायें दी जाती है ?	इन्हें 25 दिनों का सुखा राशन दिया जाता | गर्भवती महिलायों को सामान्य , कुपोषित और अति कुपोषित तीन श्रेणी में बांटा गया है | सुखा राशन के साथ साथ अब सामान्य स्थिति कि गर्भवती महिला को 7 अंडे , कुपोषित स्थिति कि गर्भवती महिला को 8 और अतिकुपोषित स्थिति कि गर्भवती महिला को 12 अंडा दिया जाता है | जो लाभार्थी अंडा नहीं खाते हैं उन्हें सोयाबरी मिलता है	
5 . किशोरी बालिका को क्या क्या सुविधाएं दी जाती ?	वर्तमान में अभी किशोरी बालिका के लिए कोई सुविधा या योजना नहीं चलाई गयी है |	
योजनाएं -	1.**कन्या उत्थान योजना** – यह परिवार से दो लड़की के लिए योजना है | इसमें अब बिहार राज्य सभी लड़कियों को उनके जन्म के समय 5000 रुपये (पहले राशि 2000 रुपये थी) मिलेगी। यह राशि निम्नानुसार दी जाएगी: – • राज्य सरकार बालिका के जन्म के समय **2,000 रुपये** की पहली किस्त प्रदान करेगी। • 1 साल की उम्र में बिहार सरकार बालिका के अभिभावक को **1,000 रुपये** की दूसरी किस्त प्रदान करेगी। इस राशि के लिए, प्रत्येक 1 वर्षीय बच्चे को आधार संख्या से जोड़ा जाना चाहिए। • बालिका का टीकाकरण पूरा होने के बाद **2,000 रुपये** की अंतिम किस्त भी अभिभावक को दे दी जाएगी। • ये प्रोत्साहन पूर्ण टीकाकरण और आधार संबंध के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगे और उसको बढ़ावा भी देगा। इंटरमीडिएट परीक्षाएं उत्तीर्ण करने पर (10,000 रुपये).स्नातक डिग्री उत्तीर्ण करने पर (25,000 रुपये). 2. **प्रधानमंत्री जननी सुरक्षा योजना** - इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में 1400/ और शहरी क्षेत्र में 1000/	http://www.icdsbih.gov.in/FormDetails.aspx?Gid=46

	रूपये दिए जाते है। इस योजना का उद्देस्य यह है कि गर्भवती महिला का संस्थागत प्रसव डिलीवरी कराना होता है। 3. **प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना** - इस योजना के तहत 6000/ हजार की राशी पहले जन्म लेने वाले बच्चे के लिए है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र पर पंजीकृत कराना होता है। एक राशि तीन किस्तों में दी जाती है। 4 .**अन्नप्राशन योजना** - ये 6 माह के बच्चे के लिए है। केंद्र पर हर महीनें कोई भी दो लाभार्थियों को अन्नप्राशन कर उनके पोषण और खान -पान संबधित जानकारी दी जाती है और साथ में एक कटोरी और चम्मच दिया जाता है। इसके लिए आंगनबाड़ी केंद्र को 250/ रुपया महीना दिया जाता है। 5 .**पोशाक योजना** -- ये आंगनवाड़ी में पढ़ने वाले बच्चों के लिए प्रति बच्चे के हिसाब से 400/ रुपया मिलता है। 6 .**गोदभराई योजना** - इस कार्यक्रम के तहत केंद्र पर प्रत्येक महीने गाँव में जितने भी गर्भवती महिलाएं होती है उनका गोदभराई करी जाती है जिसमें उन्हें पुरे 9 महीनें वो अपनी देख -भाल कैसे करे उसकी जानकारी दी जाती है। इस दौरान क्या -क्या भोजन करना चाहिए पोषण संबधित माँ और बच्चें के देख भाल के बारे में बताया जाता है। इसके लिए प्रति लाभार्थी 250/ रुपये राशी आंगनबाड़ी केंद्र को मिलती है।	